

THE MINISTER OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES & STEEL AND MINES (SHRI PRANAB MUKHERJEE): (a) and (b). According to the figures furnished by the Gem & Jewellery Export Promotion Council, Exports of gem & jewellery during April—December, 1979, are estimated to have been of the order of about Rs. 350 crores as compared to exports worth about Rs. 547 crores effected during April—December, 1978. The decline is mainly attributable to the shortfall in the exports of diamonds on account of acute recessionary conditions in the international market and also the high bank rates prevailing in the major buying countries. It is, however, expected that total exports of gem and jewellery during 1979-80 may be of the order of about Rs. 550 crores.

(c) Indian diamond industry, which is totally dependent on foreign markets, cannot remain insulated from the global depression in diamond trade. Though it is difficult to overcome such an international market phenomenon by any single country, efforts are being made to boost our exports of gem and jewellery. The Report of Task Force on Gem & Jewellery, submitted recently contains several useful suggestions and recommendation for the future development of the industry, and action on this report has been initiated.

नागरिकों को उचित दर की दुकानों के माध्यम की सभी आवश्यक वस्तुओं से सप्लाई न किया जाना

498. श्री रामाबतार शास्त्री : क्या बाणिज्य तथा नागरिक पुति मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि सरकार ने उचित दर की दुकानों के माध्यम से लोगों को आवश्यक वस्तुएं सप्लाई करने का उत्तरदायित्व लिया है ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि नागरिकों को सार्वजनिक प्रणाली के माध्यम से केवल गहं और चीनी सप्लाई की जाती है; और

(ग) यदि हां, तो इन दुकानों के माध्यमों से सभी आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई न करने के

क्या कारण हैं और कठिनाईयों को दूर करने के लिए सरकार का क्या कार्यवाही करने का विचार है ?

बाणिज्य तथा नागरिक पुति और इस्पात तथा खान मंत्री (श्री प्रणब मुखर्जी) : (क) सरकार ने सार्वजनिक वितरण प्रणाली के विभिन्न केन्द्रों के माध्यम से कुछ चुनी आवश्यक वस्तुएं उपलब्ध कराने का उत्तरदायित्व लिया है ।

(ख) जी नहीं, इस समय सार्वजनिक वितरण प्रणाली द्वारा अनाज, चीनी, खाद्य तेलों, साफ्ट कोक और नियंत्रित कपड़े की आपूर्ति की जा रही है । इसके अलावा, सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरण के लिए कुछ अन्य चुनी विनिर्मित वस्तुएं जैसे चाय, काफी, विशालियों के लिए काचियां, नहाने का साबुन और दियासलाइयां भी शामिल की गई हैं ।

(ग) सार्वजनिक वितरण प्रणाली के माध्यम से वितरण के लिए शामिल की जाने वाली वस्तुओं के बारे में राज्य सरकारों और विभिन्न केन्द्रीय मंत्रालयों के परामर्श से निरन्तर पुनरोक्षा की जा रही है । राज्य सरकारें भी किसी भी ऐसी आवश्यक वस्तु को इसमें शामिल करने के लिए स्वतंत्र हैं, जिसकी अधिप्राप्ति की व्यवस्था वे स्थानीय रूप में कर सकती हैं ।

Posting of Assistant Directors Abroad

499. SHRI R. P. YADAV: Will the Minister of TOURISM AND CIVIL AVIATION be pleased to state:

(a) is it a fact that a number of officers of his Department are posted abroad regularly;

(b) if so, what is the basis of their posting;

(c) is it also a fact that a panel of Assistant Directors is ready for the last one year to be posted abroad; and

(d) if so, what is the nitch over their posting immediately?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF TOURISM AND CIVIL AVIATION (SHRI KARTIK ORAON): (a) Yes, Sir.

(b) The criterion for selection adopted hitherto has been seniority-cum-merit, preference being given to those who have not been posted abroad earlier. This is being review-